Synergy

BSES Rajdhani Power Limited

जुलाई - अगस्त 2008

बिजली बचाओ, पर्यावरण बचाओ

बीएसईएस ने आईएस/ आईएसओ 9001 कंपनी फिनोलेक्स के साथ मिलकर एक अनोखी पहल शुरू की है, जो आज की तारीख की दो बड़ी प्राथमिकताओं से एक साथ तालमेल बिठाती है। ये दो प्राथमिकताएं हैं– ऊर्जा संरक्षण और सीएफएल्स का सुरक्षित डिस्पोजल। बीएसईएस की नई स्कीम आपको सिर्फ बेहद सस्ते दामों पर सीएफएल ही उपलब्ध नहीं कराती है, बल्कि यदि आप खराब हो चुके (टूटे नहीं) सीएफएल्स और पुराने बल्बों को बीएसईएस आफिसों में लगे काउंटरों पर जमा कराते हैं, तो सीएफएल की खरीद पर आपको अतिरिक्त छूट भी दी जाएगी।

वॉटेज	दो सीएफएल के पैक के लिए विशेष कीमत (रूपये)	दो सीएफएल के पैक पर बचत (रूपये)	पुराने/ खराब सीएफएल जमा कराने पर अतिरिक्त छूट (रूपये)	पुराने/खराब बल्ब जमा कराने पर अतिरिक्त छूट (रूपये)
20 वॉट(=100 वॉट)	200	140	12.00	8.00
15 वॉट (= 75 वॉट)	150	110	9.00	6.00
11 वॉट (= 60 वॉट)	135	105	8.00	5.00

दिल्ली के ऊर्जा व वित्त मंत्री डॉ एके वालिया ने यह स्कीम लॉन्च की। इस मौके पर शिक्षा मंत्री श्री अरविंदर सिंह लवली, परिवहन मंत्री श्री हारून युसुफ, प्रिंसिपल सेक्रेटरी (पॉवर) श्री राजेन्द्र कुमार, बीएसईएस के सीईओ श्री अरूण कंचन और फिनोक्स के एमडी श्री दीपक छाबड़िया भी मौजूद थे।

फिनोलेक्स के फिनोग्लो सीएफएल आईएसआई मार्क्ड हैं और फिनोलेक्स के पुणे स्थित ऑटोमेटिक प्लांट में बनाए जाते हैं। ये सीएफएल कई मायनों में अनोखे हैं। मरकरी का प्रभावी उपयोग उनमें से एक है। इनमें नवीनतम एमैलगम तकनीक उपयोग की जा रही है, ताकि मरकरी का प्रभावी इस्तेमाल किया जा सके, जिससे कि पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

बीएसईएस के 33 कस्टमर केयर सेंटरों और 33 चुनिंदा कैश काउंटरों पर भी इस स्कीम का लाभ उठाया जा सकता है। इन स्थानों पर सीएफएल बेचने के लिए खास तौर पर कियॉस्क लगाए गए हैं। उपभोक्ता चाहे कितने भी सीएफएल खरीद सकते हैं, उनकी संख्या पर कोई रोक नहीं है। इस ऑफर के तहत खरीदे जाने वाले सीएफएल पर एक साल की रिप्लेसमेंट वारंटी भी दी जा रही है।

विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि सीएफएल लगाकर दिल्ली 450 मेगावॉट बिजली की बचत कर सकती है और आप, प्रति सीएफएल 321 से 525 रूपये सालाना। इसलिए जल्दी करें और इस ऑफर का लाभ उठाएं।

एमपी/ एमएलए के पास दर्ज कराएं शिकायत

बीएसईएस ने अपने लोकप्रिय बीएसईएस आपके द्वार कार्यक्रम को दुबारा, एक नए स्वरूप में और दैनिक फारमेट में लॉन्च किया है। 1 जून, 2008 को लॉन्च की गई इस पहल के तहत बीएसईएस, चुने हुए जनप्रतिनिधियों (एमपी/ एमएलए) से तालमेल बैठाकर काम करती है और उपभोक्ताओं की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कर रही है। यह साझा पहल 30 सितंबर, 2008 तक चलेगी।

इस पहल के माध्यम से, बीएसईएस ने अपने इलाके के हर एमपी और एमएलए के ऑफिस से उपभोक्ताओं की शिकायतें जुटाने की व्यवस्था की है। बीएसईएस ने एमपी/ एमएलए के ऑफिसों में, बिजली संबंधी शिकायत दर्ज कराने के इंतजाम किए हैं। तीन कार्यदिवसों के भीतर शिकायतों का समाधान कर दिया जाता है। यदि किसी कारणवश डिविजन ऑफिस में तय समयसीमा के भीतर समस्या का समाधान नहीं हो पाता है, तो उसे बीआरपीएल के मुख्यालय– नेहरू प्लेस ऑफिस में भेज दिया जाता है। यहां अगले तीन कार्यदिवसों के भीतर समस्याओं का समाधान कर दिया जाता है।

यह पहल उपभोक्ताओं, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को तुरंत सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

बीआरपीएलः एटीएंडसी घाटे में 47.2 प्रतिशत की कमी

जुलाई 2002 में निजीकरण के बाद से बीआरपीएल ने अपने इलाके के एटीएंडसी घाटे में 47.2 प्रतिशत की कमी की है। 2002–03 में जहां बीआरपीएल का घाटा 51.54 प्रतिशत था, वहीं 2007–08 में यह घटकर 27.17 प्रतिशत रह गया।

घाटे में इस शानदार कमी की वजह से बीआरपीएल उपभोक्ताओं को मिलने वाली बिजली की गुणवत्ता में तो अभूतपूर्व सुधार हुआ ही है, साथ ही दिल्ली सरकार को भी करोड़ों रूपये की बचत हुई है। पिछले छह सालों में बीआरपीएल ने सरकार को 3380 करोड़ रूपये की बचत की है, जिसमें से 1019 करोड़ रूपये तो पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान ही बचाए गए।

बीआरपीएलं के इस अनोखे कारनामें ने दूसरे भारतीय राज्यों को इस बात के लिए विवश कर दिया कि वे आएं और यहां की सफलता की कहानी का अध्ययन करें।

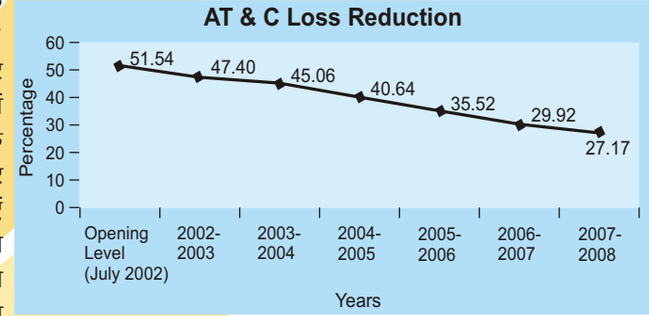

महज 8 अंक दूर हैं हम, डायल कीजिए 39999707

संपादकीय टीमः कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस विभाग
अपने सुझाव और विचार इस पते पर भेजें: कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस, बीएसईएस भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली – 110 019
अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें – www.bsesdelhi.com